अध्ययन मार्गदर्शिका  
पुराने नियम के भविष्यद्वक्ता  
मॉड्यूल तीन – उसने हमें भविष्यद्वक्ता दिए – भाग 3

दिशानिर्देश : प्रत्येक अध्ययन मार्गदर्शिका को समय संकेतों के साथ खंडों में विभाजित किया गया है जो प्रत्येक मॉड्यूल में शामिल मुख्य श्रेणियों के अनुरूप हैं। अनुभागों में दो मुख्य घटक पाए जाते हैं : **नोट्स लेने की रूपरेखा** और **पुनर्समीक्षा के प्रश्न।** आपको वीडियो व्याख्यान देखते समय **नोट्स लेने की रूपरेखा का उपयोग करना है** और फिर मॉड्यूल प्रश्नोत्तरी की तैयारी के लिए **पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर देना है।** अध्ययन मार्गदर्शिकाओं का उपयोग करने के सर्वोत्तम तरीकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए छात्र दिशानिर्देश नियमावली को देखें। साथ ही, अध्ययन मार्गदर्शिकाओं को सेव करना सुनिश्चित करें क्योंकि वे इस पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा की तैयारी के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन होंगी।

**ध्यान दें :** इस मॉड्यूल में “उसने हमें भविष्यद्वक्ता दिए” से दो वीडियो अध्ययन शामिल हैं : “भविष्यवाणी का ऐतिहासिक विश्लेषण और भविष्यवाणी का साहित्यिक विश्लेषण”

\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

भविष्यवाणी का ऐतिहासिक विश्लेषण के अध्याय पर नोट्स लेने की रूपरेखा मिनट 0:00 — 43:38

1. परिचय
2. आरंभिक राजतंत्र
   1. मुख्य घटनाएँ
      1. संयुक्त राज्य
      2. विभाजित राज्य
   2. भविष्यवाणिय सेवकाइयाँ
      1. वाचाई आदर्श
      2. विभाजित राज्य
3. अश्शूर की ओर से तबाही
   1. मुख्य घटनाएँ
      1. अरामी-इस्राएली गठबंधन
      2. शोमरोन का पतन
      3. सन्हेरिब का आक्रमण
   2. भविष्यवाणिय सेवकाइयाँ
      1. योना
      2. होशे
      3. आमोस
      4. मीका
      5. नहूम
      6. यशायाह
4. बेबीलोन की ओर से तबाही
   1. मुख्य घटनाएँ
      1. पहला आक्रमण
      2. दूसरा आक्रमण
      3. तीसरा आक्रमण
   2. भविष्यवाणिय सेवकाइयाँ
      1. यिर्मयाह
      2. सपन्याह
      3. योएल
      4. ओबद्याह
      5. हबक्कूक
      6. यहेजकेल
      7. दानिय्येल
5. पुनर्वास का समय
   1. मुख्य घटनाएँ
      1. इस्राएलियों का अपनी भूमि पर लौट आना
      2. मंदिर का पुनर्निर्माण किया जाना
      3. व्यापक धर्मत्याग
   2. भविष्यवाणिय सेवकाइयाँ
      1. हाग्गै
      2. जकर्याह
      3. मलाकी
6. उपसंहार

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. भविष्यवाणी कब बहुत प्रमुख बन गई?
2. दाऊद कब राजा बना?
3. दाऊद और सुलैमान के राज्यों की मुख्य घटनाओं का वर्णन कीजिए।
4. आरंभिक राजतंत्र के दौरान भविष्यवाणिय सेवकाई की विशेषताएँ क्या थीं?
5. अश्शूर की ओर से आई तबाही की मुख्य घटनाओं का वर्णन कीजिए।
6. अश्शूर की ओर से आई तबाही के दौरान भविष्यवाणिय सेवकाई की विशेषताएँ क्या थीं?
7. अश्शूर की ओर से आई तबाही के दौरान इस्राएल के उत्तरी राज्य में कौन से भविष्यद्वक्ता सेवा कर रहे थे?
8. किस भविष्यद्वक्ता ने अश्शूर की ओर से आई तबाही के बाद यहूदा के दक्षिणी राज्य में सेवा की, लेकिन अपना संदेश अश्शूर राष्ट्र को दिया?
9. कौन सा भविष्यद्वक्ता अश्शूर की राजधानी नीनवे में भविष्यवाणी करने गया?
10. बेबीलोन की ओर से आई तबाही की मुख्य घटनाओं का वर्णन कीजिए।
11. किस वर्ष बेबीलोन ने यहूदा पर अपना अंतिम आक्रमण किया और यरूशलेम पर अधिकार कर लिया?
12. बेबीलोन की ओर से आई तबाही के दौरान भविष्यवाणिय सेवकाई की विशेषताएँ क्या थीं?
13. पुनर्वास के समय में हुई मुख्य घटनाओं का वर्णन कीजिए।
14. पुनर्वास के समय के दौरान यहूदा में किन् भविष्यद्वक्ताओं ने सेवा की?
15. पुनर्वास के समय के दौरान भविष्यवाणिय सेवकाइयों की विशेषताएँ क्या थीं?
16. वे दो सामान्य पाप कौन से थे जिन्हें दूर करने के लिए पुनर्वास के भविष्यद्वक्ताओं को बुलाया गया था?

भविष्यवाणी का साहित्यिक विश्लेषण के अध्याय पर नोट्स लेने की रूपरेखा मिनट 0:00 — 40:18

1. परिचय
2. ऐतिहासिक विवरण
   1. विवरणों के प्रकार
      1. जीवनकथा
      2. आत्मकथा
   2. ऐतिहासिक विवरणों की विषय-वस्तु
      1. भविष्यवाणिय बुलाहट
      2. प्रतीकात्मक कार्य
      3. दर्शन के विवरण
      4. ऐतिहासिक पृष्ठभूमियाँ
3. परमेश्वर के साथ वार्तालाप
   1. विलाप की प्रार्थनाएँ
      1. लोगों के पाप
      2. दंड
   2. स्तुति की प्रार्थनाएँ
      1. दंड
      2. आशीषें
4. लोगों के साथ वार्तालाप
   1. दंड के कथन
      1. दंड के वचन
      2. हाय के वचन
      3. मुकद्दमें
   2. आशीष के कथन
      1. शत्रुओं पर दंड
      2. आशीष के वचन
   3. मिश्रित कथन
      1. दंड-उद्धार के वचन
      2. पश्चाताप की बुलाहट
      3. युद्ध की बुलाहट
      4. भविष्यवाणिय विवाद
      5. दृष्टांत
5. उपसंहार

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों में तीन सामान्य प्रकार की विषय-वस्तु क्या हैं?
2. पुराने नियम के भविष्यवाणिय लेखनों में विवध प्रकार के विषयों का वर्णन कीजिए।
3. यिर्मयाह की पुस्तक की प्रत्येक प्रतीकात्मक क्रिया के अर्थ का वर्णन करें।
4. पुराने नियम के भविष्यवाणिय लेखनों में ऐतिहासिक वर्णनों का इस्तेमाल किस प्रकार किया गया है?
5. हबक्कूक ने परमेश्वर से दो बड़ी समस्याओं के बारे में बात की। वे क्या थीं?
6. विलाप की प्रार्थनाएँ कैसी होती हैं, और भविष्यद्वक्ताओं ने उनका इस्तेमाल कैसे किया?
7. स्तुति की प्रार्थनाएँ कैसी होती हैं, और भविष्यद्वक्ताओं ने उनका इस्तेमाल कैसे किया?
8. दंड के कथन कैसे होते हैं, और भविष्यद्वक्ताओं ने उनका इस्तेमाल कैसे किया?
9. किस प्रकार के दंड भविष्यद्वक्ताओं द्वारा सुनाए गए थे।
10. जब हम कहते हैं कि परमेश्वर अपरिवर्तनीय है तो हमारा क्या अर्थ है?
11. आशीष के कथन कैसे होते हैं, और भविष्यद्वक्ताओं ने उनका इस्तेमाल कैसे किया?
12. मिश्रित कथन क्या हैं, और भविष्यद्वक्ताओं ने उनका इस्तेमाल कैसे किया?
13. सामान्यतः भविष्यद्वक्ताओं ने भविष्यवाणी क्यों की?